ज्योतिषाचार्य –प्रथम वर्ष

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

प्रथम पत्र : गणितं फलितञ्च
सारावली 1 से 30 अध्याय

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

द्वितीय पत्र : फलितं पराशरीय नरपतिजयाय

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 लघु पराशरी 40(50) अंक
2 नरपति जयचर्या स्वरोदयाए 40(50) अंक
सर्वतो भद्र चक्र पर्याताः

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

तृतीय पत्र : फलित ज्योतिषम्
बृहद् संहिता

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

चतुर्थ पत्र : गणित सिद्धान्त
सिद्धान्त शिरोमणी गणिताध्याय स्पष्टाधिकारन्ता
मध्यमाधिकार

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

ज्योतिषाचार्य -- द्वितीय वर्ष

पंचम पत्र : फलित जातक एवं योग
जातक परिजात राजयोगा अध्याय पर्यान्ताः

पूर्णांक
रेगुलर – 80